इंदौर ज़ोन की 'गोल्डन जुबली' मनाई धूमधाम से

समारोह में शरीक हुए शहर के धर्म-अध्यात्म, समाज-साहित्य, राजनीति-कला जगत की अनेक शीर्षस्थ हस्तियां

जबलपुर-म.प्र.। हम सभी 'संसार' में उलझ कर 'सार' यानी ईश्वर को भूल जाते हैं, इसी कारण हमारा संसार दु:खी है। यदि अपने संसार को सुखी करना है, तो संसार के 'सार' यानी परमात्मा को अपने जीवन में शामिल करें। ये बात ब्रह्माकुमारी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने जबलपुर में आयोजित इंदौर ज़ोन के गोल्डन जुबली समारोह में कही। इस दिव्य, भव्य एवं गरिमामय समारोह में पहुंचे प्रबुद्धजनों सहित विभिन्न संगठनों के प्रमुखों ने दादीजी का सम्मान किया। स्थानीय मुख्य सेवाकेन्द्र 'शिव स्मृति भवन' भंवरताल के नेतृत्व में चल रहीं ईश्वरीय सेवाओं को दर्शाती स्मारिका 'शिव स्मृति' का विमोचन भी किया गया।

जबलपुर कई मायनों में महत्वपूर्ण : दादी ने कहा कि जबलपुर इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिताश्री ब्रह्मा बाबा ने मध्य भारत में ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान का कलश यहीं स्थापित और प्रज्वलित किया था। इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पिताश्री ने 1962 में भ्राता ओमप्रकाश जी को ईश्वरीय सेवाओं के लिए जबलपुर भेजा था। पिताश्री के अंतिम संदेश के फलस्वरूप वे इंदौर गए और मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती ओडीशा-राजस्थान में ईश्वरीय सेवाओं को विस्तार दिया। ये पूरा भूभाग इंदौर ज़ोन नाम से जाना जाता है। मुझे खुशी है कि ज़ोन के स्वर्ण जयंती वर्ष का शुभारंभ जबलपुर क्षेत्र से हो रहा है।

दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से ब्र.कु. भावना, महापौर स्वाती गोडबोले, विधायक अशोक रोहाणी, ब्र.कु. हेमलता, ब्र.कु. शारदा, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. आत्मप्रकाश, स्वामी जन्मेजय शरण जी, ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. उषा व ब्र.कु. शशि।

गोल्डन जुबली समारोह में रामजन्म भूमि न्याय से जुड़े अयोध्या से आए स्वामी जन्मेजयशरणजी तथा म.प्र. पिछड़ा वर्ग एवं वित्त विकास निगम के उपाध्यक्ष एस. के. मुद्दीन विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्थानीय दद्दा परिसर के विशाल सभागार में बना मंच ईश्वरीय रत्नों से जब सजा, तो लोग श्रद्धा से भर गए। मंच पर ज्ञानामृत पत्रिका के सम्पादक राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश,मा.आबू, इंदौर क्षेत्र की निदेशिका ब्र.कु. कमला, समन्वयक ब्र.कु. हेमलता, भिलाई सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. आशा, उज्जैन संभाग प्रभारी ब्र.कु. ऊषा सहित देश के कई हिस्सों से वरिष्ठ ईश्वरीय रत्न शामिल हुए। इस मौके पर उपस्थित हुए हज़ारों लोगों को दादीजी ने आशीर्वाद और मीठी दृष्टि दी। स्वागत भाषण जबलपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना और आभार प्रदर्शन ब्र.कु. हेमलता ने किया। संचालन बिलासपुर से आईं ब्र.कु. मंजु ने किया।

तम्बाकू मुक्ति हेतु जागृति शिविर का आयोजन

शांतिवन। प्रतिवर्ष राजस्थान में 72 हज़ार मौतें केवल तम्बाकू सेवन से होती हैं। इसकी रोकथाम के लिए जागरुकता फैलाना बहुत ज़रूरी है। उक्त उद्गार एन.टी.सी.पी. के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एस.एन. धोलपुरिया ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज़ के मनमोहिनी वन परिसर में ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिकल प्रभाग तथा राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'तम्बाकू मुक्ति प्रशिक्षण शिविर में आये स्वास्थ्यकर्मियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार तथा ब्रह्माकुमारीज़ का यह संयुक्त प्रयास निश्चित तौर पर इन स्थितियों से उबरने में मदद करेगा। ब्रह्माकुमारीज़ के नशामुक्ति अभियान से लोगों की ज़िन्दगी बदली है। बड़ी संख्या में लोगों ने नशा से मुँह मोड़ लिया है। ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान से आत्म बोध और जागृति आती है जो तम्बाकू समेत सभी नशे पर भारी पड़ जाती है। यह कार्यक्रम राज्य ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायी होगा। ज्ञान सरोवर निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि एक सिगरेट के धुएं से 36 प्रकार के हानिकारक रसायन निकलते हैं, जिससे मनुष्य का हर अंग प्रभावित होता है। इसलिए हर सम्भव प्रयास करना चाहिए जिससे हम इससे बच सकें।

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. निर्वैर तथा अन्य। सभा में स्वास्थ्यकर्मी गण।

सिरोही के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील परमार ने कहा कि सिरोही जिले में आदिवासी तथा ग्रामीण इलाकों में युवा तथा किशोर तेज़ी से इसके गिरफ्त में आ रहे हैं। ऐसे में हर माता पिता को अपने बच्चों को इसके प्रति जागरुक करना चाहिए। नहीं तो आने वाले समय में स्थिति और गम्भीर बन सकती है। ब्रह्माकुमारीज़ का यह प्रयास निश्चित तौर पर सकारात्मक परिणाम लायेगा। कार्यक्रम में मेडिकल प्रभाग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह, ग्लोबल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा, मुम्बई से नशामुक्ति अभियान के प्रशिक्षक डॉ. सचिन परब ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पृथ्वी को पॉलिथीन मुक्त बनाने का लें संकल्प

ब्र.कु. आदर्श के साथ मंचासीन शहर के गणमान्य अतिथिगण।

ग्वालियर-म.प्र.। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा धरती माँ के संरक्षण हेतु सामूहिक योगाभ्यास और जन जागरण के एक विशेष कार्यक्रम में ब्र.कु. आदर्श ने कहा कि हमने ही अपनी धरती माँ के वातावरण को दूषित किया है, अब हमें ही इसे ठीक करने के हर संभव प्रयास करने होंगे। पृथ्वी ही ऐसा ग्रह है जहाँ जीवन संभव है और अगर हमने अपनी धरा और इसके प्राकृतिक पदार्थों के संरक्षण के कोई ठोस कदम नहीं उठाये तो निकट भविष्य में बहुत ही भयानक परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पर्यावरण जागृति हेतु सभी को संकल्प भी दिलाये गये। कार्यक्रम में अश्विनी माहेश्वरी,भारत विकास परिषद्, प्रो. पृथ्वीराज पांडे,एम.एल.बी. कॉलेज, डॉ. संतोष अजीत शर्मा, रिटा. प्रो. आर.एस. वर्मा, इंजी. बी. के. गुप्ता,पी.एच.ई. ग्वालियर, पूर्व प्रिन्सीपल भगवती नंदन सिंह रौतेला आदि उपस्थित थे।

राजयोग मेडिटेशन से फैलायें विश्व शांति के प्रकम्पन

विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सामूहिक राजयोग

फरीदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में विश्व शांति के लिए सामूहिक राजयोग का आयोजन किया गया। परिसर में मौजूद भाई-बहनों को राजयोग का अभ्यास कराते हुए ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि आज हर इंसान परेशान है। उसे नहीं पता कि शांति कैसे प्राप्त की जाती है। इसलिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समय-समय पर सामूहिक राजयोग का आयोजन किया जाता है। ताकि राजयोगियों की किरणें इस प्रकृति में मिलकर लोगों को शांति प्रदान कर सकें।

बायें से ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. ऊषा, ब्र.कु. सुंदरी, सम्बोधित करते हुए उद्योग मंत्री विपुल गोयल तथा डेप्युटी मेयर मनमोहन गर्ग।

इस मौके पर उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत देश को विश्व गुरू बनाने का सपना ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरा कर रहा है। यह संस्थान लोगों को राजयोग का मार्ग दिखा रहा है। आज की इस भागदौड़ भरी ज़िंदगी में योग बहुत आवश्यक हो चुका है और यह राजयोग तो मन को शांति प्रदान करता है। यदि मन स्वस्थ है तो शरीर भी स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर डेप्युटी मेयर मनमोहन गर्ग, ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्रेट्री ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. शुक्ला दीदी, ब्र.कु. ऊषा दीदी, डी.सी.पी. विक्रम कपूर, ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. प्रिया व अन्य मौजूद रहे। बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने राजयोग का अभ्यास किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th May 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।